vinetur

ब्रिटेन ने इंग्लिश व्हिस्की को दिया संरक्षित दर्जा

स्कॉटलैंड, वेल्स और आयरलैंड के व्यापारिक संगठनों का कहना है कि सिंगल माल्ट के नियम लंबे समय से चले आ रहे उत्पादन मानक को कमजोर कर सकते हैं

शनिवार, 21 नवंबर 2026



इंग्लैंड के व्हिस्की उद्योग को ब्रिटेन के पर्यावरण, खाद्य एवं ग्रामीण मामलों के विभाग से भौगोलिक संकेत (GI) का दर्जा मिला है। इससे English Whisky और English Whiskey नामों को कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ है। हालांकि, इस मंजूरी के बाद इस बात पर विवाद शुरू हो गया है कि किसे इंग्लिश सिंगल माल्ट के रूप में बेचा जा सकता है। स्कॉटलैंड, वेल्स और आयरलैंड के व्यापारिक संगठनों के साथ-साथ इंग्लैंड के कुछ उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि नई परिभाषा उत्पादन के एक स्थापित मानक को कमजोर कर सकती है।

भौगोलिक संकेत, यानी GI, किसी स्थान और उत्पादन नियमों के एक निश्चित समूह से जुड़े उत्पाद के नाम को संरक्षण देता है। व्हिस्की के मामले में ये नियम केवल उसके उद्गम का विवरण नहीं देते। वे यह तय करने में भी मदद करते हैं कि प्रीमियम श्रेणी के किन शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के सामने उत्पाद कैसे पेश किए जाते हैं, और घरेलू तथा निर्यात बाजारों में एक राष्ट्रीय श्रेणी दूसरी से किस तरह प्रतिस्पर्धा करती है।

अक्टूबर में Scotch Whisky Association, Welsh Whisky Association और Irish Whiskey Association ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि English Whisky GI को मंजूरी देने की प्रक्रिया और नियमों के व्यावहारिक इस्तेमाल, दोनों में "विसंगतियों" को लेकर उनकी चिंताएं बरकरार हैं।

तीनों संगठनों ने कहा, "जिन व्हिस्की उत्पादकों का हम प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें विश्वस्तरीय व्हिस्की बनाने की गौरवशाली, लंबे समय से चली आ रही और बेजोड़ परंपरा पर गर्व है। हम ऐसी उच्च-गुणवत्ता वाली परिभाषाएं चाहते हैं, जो सिंगल माल्ट की उस उच्च-गुणवत्ता वाली श्रेणी का आधार बनें जिसका आनंद दुनिया भर में लाखों लोग लेते हैं।"

मुख्य विवाद इस बात पर है कि व्हिस्की को सिंगल माल्ट कहे जाने के लिए उत्पादन प्रक्रिया का कितना हिस्सा एक ही स्थान पर होना चाहिए। आलोचकों का कहना है कि Scotch whisky के नियमों के तहत मैशिंग, किण्वन और आसवन एक ही डिस्टिलरी में होना जरूरी है, जबकि इंग्लिश नियम इन चरणों को अलग-अलग स्थानों पर करने की अनुमति देते हैं।

Jackton Distillery की प्रबंध निदेशक Jaynie Kean ने कहा कि वह इंग्लिश व्हिस्की के लिए GI के विचार का समर्थन करती हैं और ब्रिटेन में उगाई गई जौ के इस्तेमाल की शर्त से सहमत हैं। लेकिन उनके मुताबिक, उत्पादन के स्थान से जुड़ा नियम बाजार में भ्रम पैदा कर सकता है।

Kean ने कहा, "Scotch whisky में मैशिंग, किण्वन और आसवन—तीनों एक ही डिस्टिलरी में होने चाहिए। इंग्लिश नियम इन चरणों को अलग-अलग स्थानों पर करने की अनुमति देते हैं। अगर दोनों को 'सिंगल माल्ट' कहा जा सकता है, तो ग्राहकों के भ्रमित होने और खुदरा विक्रेताओं को यह समझाने की नौबत आने का जोखिम है कि एक ही शब्द के अलग-अलग अर्थ क्यों हैं।"

स्वतंत्र बॉटलर Whisky Craft के संस्थापक Sonny Charles ने भी इसी तरह की दलील दी। उन्होंने कहा कि इंग्लिश नियम "दरअसल इंग्लिश डिस्टिलरियों को उन शर्तों से बच निकलने की अनुमति देंगे, जिन्हें स्कॉटिश, आयरिश और वेल्श सिंगल माल्ट उत्पादकों को पूरा करना पड़ता है।"

Charles ने कहा कि यह मुद्दा इस शब्द के अर्थ से जुड़ा है। उनके विचार में, सिंगल माल्ट केवल विपणन का विवरण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि स्पिरिट कैसे बनाई गई। उन्होंने दलील दी कि केवल आसवन को एक ही स्थान पर करने की शर्त से मैशिंग और किण्वन का महत्व घटने का जोखिम है, जबकि उनके अनुसार ये दोनों चरण अंतिम व्हिस्की की गुणवत्ता और विशिष्टता में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

आलोचना केवल इंग्लैंड के बाहर से नहीं आ रही है। ब्रिस्टल की Circumstance Distillery के संस्थापक Liam Hirt ने कहा कि उन्हें इंग्लिश GI की कई बातें पसंद हैं, लेकिन उनके विचार में नियम Scotch परिभाषा के बजाय वेल्श परिभाषा के आधार पर बनाए जाने चाहिए थे।

Hirt ने कहा कि वेल्श दृष्टिकोण के तहत डिस्टिलरियां खुद को अधिक स्पष्ट रूप से अलग पहचान दे सकती हैं, जबकि इंग्लिश ढांचा उत्पादकों को असहज स्थिति में डाल सकता है। उनका तर्क था कि GI के तहत काम करने वाली डिस्टिलरियां English Whisky के रूप में अपनी पहचान पेश करते हुए "Scotch से लगभग अप्रभेद्य" हो सकती हैं, जबकि GI से बाहर काम करने वाली डिस्टिलरियां इस क्षेत्र का अधिक प्रयोगधर्मी हिस्सा बन सकती हैं, लेकिन संरक्षित English श्रेणी के नाम का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगी।

Hirt ने कहा, "इससे उपभोक्ता बहुत भ्रमित होंगे।"

यह बहस पूरे पेय कारोबार के लिए अहम है, क्योंकि संरक्षित परिभाषाएं उत्पादन के विकल्पों, लेबलिंग, वितरण और विभिन्न श्रेणियों के बीच प्रतिस्पर्धा को आकार दे सकती हैं। डिस्टिलरों के लिए GI किसी उत्पाद के नाम का मूल्य बढ़ा सकता है और दीर्घकालिक ब्रांड निर्माण में मदद कर सकता है। हालांकि, खुदरा विक्रेताओं और आयातकों के लिए विवादित परिभाषा व्यावहारिक सवाल खड़े कर सकती है कि उत्पादों को किस तरह वर्गीकृत किया जाए, उनके बारे में

जानकारी दी जाए और उनकी तुलना की जाए—खासकर तब, जब सिंगल माल्ट जैसे परिचित शब्द का अलग-अलग श्रेणियों में अर्थ एक जैसा न हो।

हर किसी को यह नहीं लगता कि इस असहमति का बाजार पर बड़ा असर पड़ेगा। Ardgowan Distillery के बिक्री एवं विपणन निदेशक David Keir ने कहा कि वह समझते हैं कि Scotch Whisky Association ने इतना कड़ा रुख क्यों अपनाया है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनकी व्यक्तिगत राय में, यह मुद्दा कई उपभोक्ताओं के लिए व्यापार जगत की तुलना में कम अहम हो सकता है।

Keir ने कहा, "ज्यादातर लोगों को सिंगल माल्ट और ब्लेंड के बीच का फर्क नहीं पता ; सिंगल माल्ट के उत्पादन की बारीकियों में जाएंगे, तो अधिकतर लोग रुचि खो देंगे।"

उनकी टिप्पणी इस बहस में मौजूद व्यापक मतभेद की ओर इशारा करती है। उत्पादक और व्यापारिक संगठन उन मानकों पर बहस कर रहे हैं जिन्हें वे गुणवत्ता, पहचान और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के लिए अहम मानते हैं, जबकि कई उपभोक्ता उत्पादन के हर चरण के सटीक स्थान के बजाय कीमत, स्वाद, ब्रांड और उद्गम पर अधिक ध्यान दे सकते हैं। नए GI के तहत इंग्लिश व्हिस्की के आगे बढ़ने के साथ, संरक्षित नाम की परिभाषा कैसी होनी चाहिए—इस पर विवाद इस श्रेणी के विकास के केंद्र में बने रहने की संभावना है।